प्रदेश के दो विभूतियाँ पद्म श्री सम्मान के लिये चयनित

चर्चा में क्यों?

25 जनवरी, 2023 को राष्ट्रपति ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर वर्ष 2023 के लिये देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों 'पद्म पुरस्कारों' की घोषणा की। इनमें हरियाणा की दो विभूतियों को पद्म श्री अवार्ड के लिये चुना गया है।

प्रमुख बिंदु

- वर्ष 2023 के लिये, राष्ट्रपति ने तीन द्वय मामलों (एक द्वय मामले में, पुरस्कार को एक के रूप में गिना जाता है) सहित 106 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की मंज़ूरी दी है।
- सूची में 6 पद्म विभूषण, 9 पद्म भूषण और 91 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। पुरस्कार पाने वालों की सूची में 19 महिलाएँ हैं और विदेशियों/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई की श्रेणी के 2 व्यक्ति और 7 मरणोपरांत पुरस्कार पाने वाले भी शामिल हैं।
- पद्म पुरस्कार के लिये चयनित हरियाणा की दो विभूतियों में बक्शी राम और डॉ. सुकामा आचार्या शामिल हैं।
- झज्जर ज़िले के अकुपुर गाँव की डॉ. सुकामा आचार्या को अध्यात्मवाद के क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिये और गुरुग्राम के कृषि वैज्ञानिक डॉ. बख्शी राम को विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिये पद्म श्री अवार्ड के लिये चुना गया है।
- कृषि वैज्ञानिक डॉ. बख्शी राम को गन्ने की किस्म **CO**-0238 विकसित करने के लिये जाना जाता है।
- गौरतलब है कि देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में पद्म पुरस्कार शामिल है। पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों- पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री के रूप में प्रदान किये जाते हैं। प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुरस्कारों की घोषणा की जाती है।
- यह पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल, सिविल सेवा आदि जैसे विभिन्न विषयों/गतिविधियों के क्षेत्रों में दिये जाते हैं।
- असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्म विभूषण', उच्च स्तर की विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्म भूषण' और किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्म श्री' से सम्मानित किया जाता है।
- ये पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति द्वारा औपचारिक समारोहों में प्रदान किये जाते हैं जो आमतौर पर हर साल मार्च/अप्रैल के आसपास राष्ट्रपति भवन में आयोजित किये जाते है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/two-personalities-of-the-state-selected-for-padma-shri-honor